

Shree Raghunath Sanskrit Research Institute Library,  
Jammu

No. 665-घ

Title प्राकृतपिंगल प्रस्तावर्णमात्रा-  
पताकादि यंत्राणि

Author .....

Extent ५ ..... Age .....

Subject कन्दोऽलंकारशास्त्रम्, पूर्ण



नं० ७७५-घ

प्राकृत पिंगलप्रस्तारवर्णमात्रापताका

दि यंत्राणि (अक्षरालंकार  
अक्षरशक्तिराम)

पत्राणि ५ (सम्पूर्णम्)

नं० ७७५-घ



3351  
11532  
15153  
51154  
11155  
15156  
51157  
11158  
15159  
51160  
11161  
15162  
51163  
11164  
15165  
51166  
11167  
15168  
51169  
11170  
15171  
51172  
11173  
15174  
51175  
11176  
15177  
51178  
11179  
15180  
51181  
11182  
15183  
51184  
11185  
15186  
51187  
11188  
15189  
51190  
11191  
15192  
51193  
11194  
15195  
51196  
11197  
15198  
51199  
11200  
15201  
52002  
12003  
15204  
52005  
12006  
15207  
52008  
12009  
15210  
52011  
12012  
15213  
52014  
12015  
15216  
52017  
12018  
15219  
52020  
12021  
15222  
52023  
12024  
15225  
52026  
12027  
15228  
52029  
12030  
15231  
52032  
12033  
15234  
52035  
12036  
15237  
52038  
12039  
15240  
52041  
12042  
15243  
52044  
12045  
15246  
52047  
12048  
15249  
52050  
12051  
15252  
52053  
12054  
15255  
52056  
12057  
15258  
52059  
12060  
15261  
52062  
12063  
15264  
52065  
12066  
15267  
52068  
12069  
15270  
52071  
12072  
15273  
52074  
12075  
15276  
52077  
12078  
15279  
52080  
12081  
15282  
52083  
12084  
15285  
52086  
12087  
15288  
52089  
12090  
15291  
52092  
12093  
15294  
52095  
12096  
15297  
52098  
12099  
15300  
52101  
12102  
15303  
52104  
12105  
15306  
52107  
12108  
15309  
52110  
12111  
15312  
52113  
12114  
15315  
52116  
12117  
15318  
52119  
12120  
15321  
52122  
12123  
15324  
52125  
12126  
15327  
52128  
12129  
15330  
52131  
12132  
15333  
52134  
12135  
15336  
52137  
12138  
15339  
52140  
12141  
15342  
52143  
12144  
15345  
52146  
12147  
15348  
52149  
12150  
15351  
52152  
12153  
15354  
52155  
12156  
15357  
52158  
12159  
15360  
52161  
12162  
15363  
52164  
12165  
15366  
52167  
12168  
15369  
52170  
12171  
15372  
52173  
12174  
15375  
52176  
12177  
15378  
52179  
12180  
15381  
52182  
12183  
15384  
52185  
12186  
15387  
52188  
12189  
15390  
52191  
12192  
15393  
52194  
12195  
15396  
52197  
12198  
15399  
52200  
12201  
15402  
52203  
12204  
15405  
52206  
12207  
15408  
52209  
12210  
15411  
52212  
12213  
15414  
52215  
12216  
15417  
52218  
12219  
15420  
52221  
12222  
15423  
52224  
12225  
15426  
52227  
12228  
15429  
52230  
12231  
15432  
52233  
12234  
15435  
52236  
12237  
15438  
52239  
12240  
15441  
52242  
12243  
15444  
52245  
12246  
15447  
52248  
12249  
15450  
52251  
12252  
15453  
52254  
12255  
15456  
52257  
12258  
15459  
52260  
12261  
15462  
52263  
12264  
15465  
52266  
12267  
15468  
52269  
12270  
15471  
52272  
12273  
15474  
52275  
12276  
15477  
52278  
12279  
15480  
52281  
12282  
15483  
52284  
12285  
15486  
52287  
12288  
15489  
52290  
12291  
15492  
52293  
12294  
15495  
52296  
12297  
15498  
52299  
12300  
15501  
52302  
12303  
15504  
52305  
12306  
15507  
52308  
12309  
15510  
52311  
12312  
15513  
52314  
12315  
15516  
52317  
12318  
15519  
52320  
12321  
15522  
52323  
12324  
15525  
52326  
12327  
15528  
52329  
12330  
15531  
52332  
12333  
15534  
52335  
12336  
15537  
52338  
12339  
15540  
52341  
12342  
15543  
52344  
12345  
15546  
52347  
12348  
15549  
52350  
12351  
15552  
52353  
12354  
15555  
52356  
12357  
15558  
52359  
12360  
15561  
52362  
12363  
15564  
52365  
12366  
15567  
52368  
12369  
15570  
52371  
12372  
15573  
52374  
12375  
15576  
52377  
12378  
15579  
52380  
12381  
15582  
52383  
12384  
15585  
52386  
12387  
15588  
52389  
12390  
15591  
52392  
12393  
15594  
52395  
12396  
15597  
52398  
12399  
15600  
52401  
12402  
15603  
52404  
12405  
15606  
52407  
12408  
15609  
52410  
12411  
15612  
52413  
12414  
15615  
52416  
12417  
15618  
52419  
12420  
15621  
52422  
12423  
15624  
52425  
12426  
15627  
52428  
12429  
15630  
52431  
12432  
15633  
52434  
12435  
15636  
52437  
12438  
15639  
52440  
12441  
15642  
52443  
12444  
15645  
52446  
12447  
15648  
52449  
12450  
15651  
52452  
12453  
15654  
52455  
12456  
15657  
52458  
12459  
15660  
52461  
12462  
15663  
52464  
12465  
15666  
52467  
12468  
15669  
52470  
12471  
15672  
52473  
12474  
15675  
52476  
12477  
15678  
52479  
12480  
15681  
52482  
12483  
15684  
52485  
12486  
15687  
52488  
12489  
15690  
52491  
12492  
15693  
52494  
12495  
15696  
52497  
12498  
15699  
52500  
12501  
15702  
52503  
12504  
15705  
52506  
12507  
15708  
52509  
12510  
15711  
52512  
12513  
15714  
52515  
12516  
15717  
52518  
12519  
15720  
52521  
12522  
15723  
52524  
12525  
15726  
52527  
12528  
15729  
52530  
12531  
15732  
52533  
12534  
15735

151  
152  
153  
154  
155  
156  
157  
158  
159  
160  
161  
162  
163  
164  
165  
166  
167  
168  
169  
170  
171  
172  
173  
174  
175  
176  
177  
178  
179  
180  
181  
182  
183  
184  
185  
186  
187  
188  
189  
190  
191  
192  
193  
194  
195  
196  
197  
198  
199  
200



॥ श्रीगणपतये नमः ॥

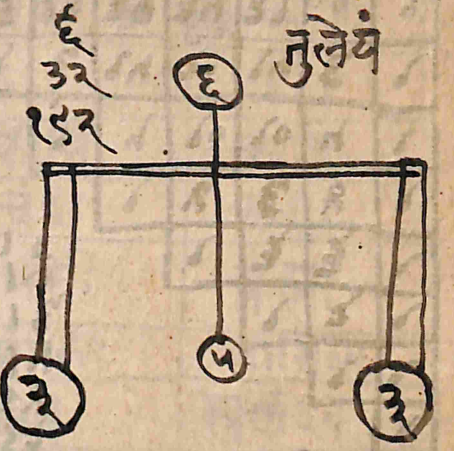
विंगलमने प्रस्तारः	अग्रगत्सम ते प्रस्तारः	स्थानवि परीतेः	संख्यावि परीतः	उभयवि परीतः	प्रकारांत रेण स्वमं	प्रकारांत र संख्या	उभयप्र कारांतरं	नूतनस मते
५५५	५५५	५५५	१११	१११	५५५	१११	१११	५५५
१५५	१५५	१५५	५११	५११	५५१	५११	११५	१५५
५१५	५१५	५१५	१५१	५१५	५१५	१५१	१५१	५१५
११५	११५	११५	५५१	५५१	५११	५५१	१५५	११५
५५१	५५१	५५१	११५	११५	१५५	११५	५११	५५१
१५१	१५१	१५१	५१५	५१५	५१५	५१५	५१५	५१५
५११	५११	५११	५५५	५५५	११५	१५५	५५१	५११
१११	१११	१११	५५५	५५५	११५	१५५	५५१	१११

वर्ण  
पताके  
यम्

१	५५५
२	७
४	५
८	१११

द्वितीयः प्रत्ययः

चतुरक्षरप्रस्ता १५५१ रेदशमोप १० भेदः	चतुर्दशोयंभेदः ५॥॥
अथोद्दिष्टं यथा	
१२४८ १५५१०	१२४८ ५११५९
संख्यायथाजा यतेसेकासती १२४८ १५५१	१२४८ ५॥॥१५भेदः



एकादिगुरुसंख्याज्ञानं खंडमे  
हरयं॥

१	४	६	४
४	३	२	१
१	२	३	४
१२४८ ५१५१		१५१	

४	६	७	२
२	३	५	४
१११		८	

वर्णपताकेयम्



१	अष्टौगणः	१ मगणः	२ यगणः	३ रगणः	४ सगणः	५ तगणः	६ जगणः	७ भगणः	८ नगणः
२	तत्स्वरूपं	५५५	१५५	५१५	११५	५५१	१५१	५११	१११
३	फलं	लक्ष्मीः	वृद्धिः	अंतः	देशाटनम्	धनहरणं	रोगः	कीर्तिः	आयुः
४	देवता	मही	जलं	ज्वलनः	पवनः	आकाशः	रविः	चंद्रः	नागः
५	पिता	पिंगल	समुद्रः	मृत्युः	कश्यपः	यमः	मनः	धर्मः	ब्रह्मा
६	माता	सरस्वती	पृथ्वी	जरा	रात्रिः	राक्षस	सेना	मंगला	सावित्री
७	रंगः	पीत	गौरः	रक्तः	श्यामः	हरितः	रक्त	स्वत	स्वर्लक्ष
८	कृषिः	कश्यप	अग्निः	अंगिराः	मौत्तमः	वशिष्ठः	विश्वामित्रः	अंगिराः	भृगुः
९	वाहनम्	कमठ	मकर	मेरु	नरग	वृषभ	हरिण	शशाः	गजः
१०	रसः	मृगार	करुण	रोद्र	वीर	शान्त	भयानक	हास्य	नवरस
११	पतिः	मगधदेश	मेरुः	उज्जयिन	कलंजर	उज्जयिन	सोरठ	कलिंदर	मगधदेशः
१२	वंशः	द्विजः	द्विज	शूद्र	क्षत्रिय	शूद्र	शूद्र	वैश्य	ब्राह्मण
१३	नेत्रम्	त्रयम्	त्रीणि	त्रीणिउ	द्वयं	द्वयं	एकं	त्रीणि	त्रीणि
१४	नक्षत्रम्	मघा	रुतिका	चित्रा	उत्तरा	विशाखा	अभिजित	मूलं	हस्ताः
१५	लग्नम्	सिंह	मेष वृष	कर्कट तुला	मीन	तुला वृश्चिक	मकर	धनुः	कन्या
१६	दिशः	केतुः	सूर्यः	भौमः	शनिः	गुरुः	चंद्रः	केतुः	चंद्रमाः
१७	जातिः	स्त्री	पुरुषः	स्त्री	पुरुष	नपुंसक	पुरुष	पुरुषः	स्त्री
१८	शरीरं	राक्षसः							

॥ दोहा ॥ तज्जनरसतजचारगणमयमनदनकेमंह ॥ द्विगुणधरेपिंगलभलेएजोकविसुखकोंचाह ॥ १॥

॥ वर्णमर्कदीपम् ॥										
१	१	२	३	४	५	६	७	८	९	वृत्तानि
२	२	४	८	१६	३२	६४	१२८	२५६	५१२	तद्देशः
३	१	२	४	८	१६	३२	६४	१२८	२५६	लघ्वंताः
४	१	२	४	८	१६	३२	६४	१२८	२५६	गुर्वंताः
५	१	४	१२	३२	८०	१६२	४४८	१२४८	२३६०	लघवः
६	१	४	१२	३२	८०	१६२	४४८	१२४८	२३६०	गुरवः
७	३	१२	३६	९६	२४०	५७६	१३४४	३०७२	७०८०	कलाः
८	१॥	६	१८	४८	१२०	२८८	६७२	१५३६	३५४०	विंशः
९	२	८	२४	६४	१६०	३६४	८९६	२०४८	४६०८	वर्णाः

वर्णखंडमेरुरयम् ५५५१										
१	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
१	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
१	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
१	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
१	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
१	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
१	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
१	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
१	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
१	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०



三

एकधादि  
लग्नक्रियेयं

[illegible]

वसुदेवा  
द्विधा  
क्रियते





८

१ ७ नूतनवर्णखंडमेरुः ८

८	१	६						
२८	७	१	५					
५६	२१	६	१	४				
७०	३५	१५	५	१	३			
५६	३५	२०	१०	४	१	२		
२८	२१	१५	१०	६	३	१	१	
८	७	६	५	४	३	२	१	
१	१	१	१	१	१	१	१	१

८ ७ ६ ५ ४ ३ २ १

नूतनवर्णखंडमेरुर्लि  
प्यंतरेण॥

								१
							१	८
						१	७	२८
					१	६	२१	५६
				१	५	१५	३५	७०
			१	४	१०	२०	३५	५६
		१	३	६	१०	१५	२१	२८
	१	२	३	४	५	६	७	८
१	१	१	१	१	१	१	१	१

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८

प्रकारांतरेणोत्पि  
वर्णमेरुः। नूत  
नमतम्॥

								१
							१	८
						१	७	२८
					१	६	२१	५६
				१	५	१५	३५	७०
			१	४	१०	२०	३५	५६
		१	३	६	१०	१५	२१	२८
	१	२	३	४	५	६	७	८
१	१	१	१	१	१	१	१	१



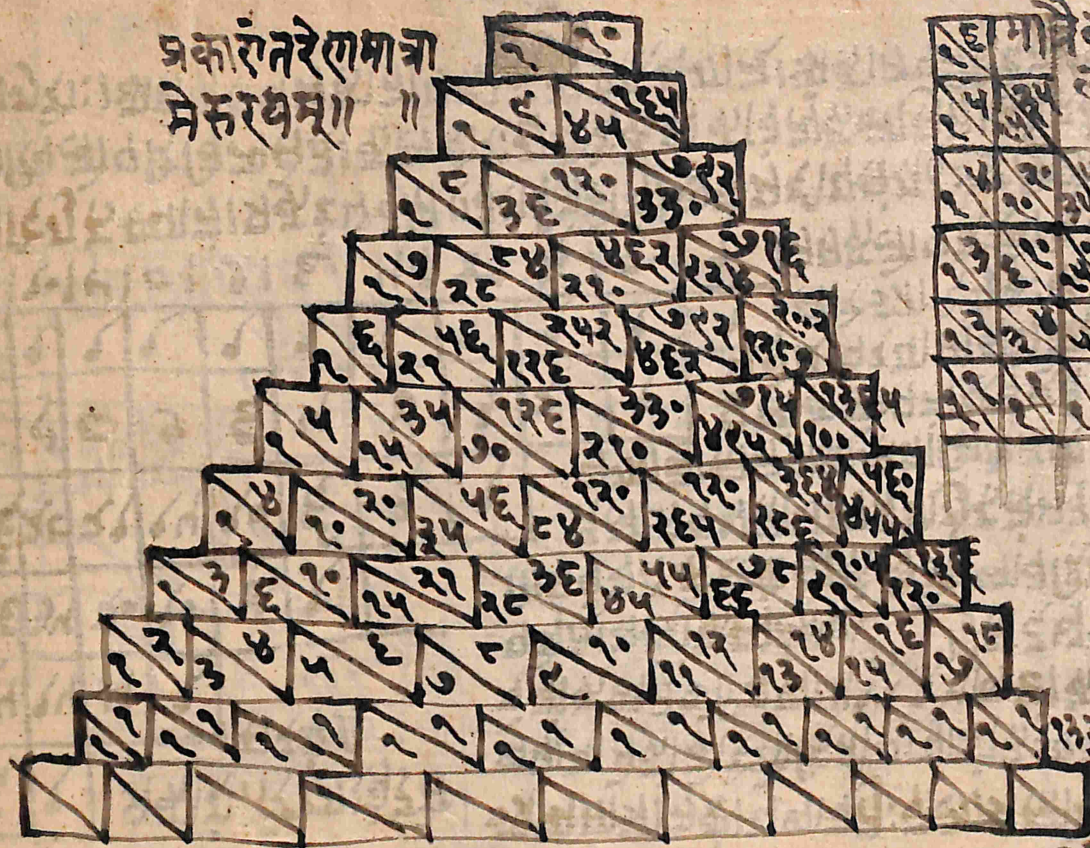




CC-0 Dharmartha Trust J&K. An eGangotri-Vaidika Bharata Initiative



प्रकारे तरेण भात्रा  
मेरु रथम् ॥ ॥

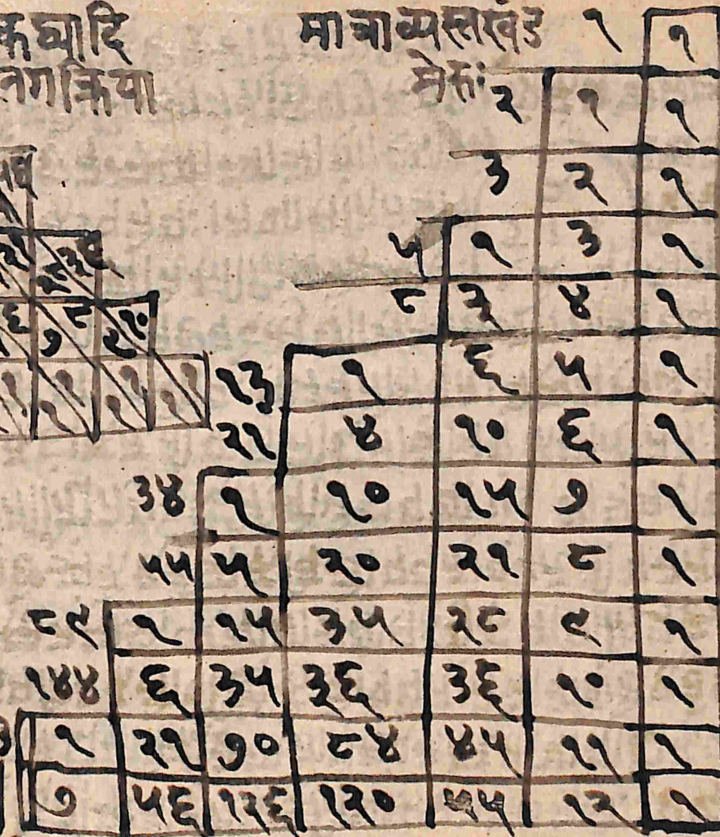


६ मात्रैक घादि  
५ लग्नक्रिया



मात्राव्यसंख्ये

मेरुः ३





5

६	१	प्रकारांतरैराखंडमे							
		रुरयं॥							
३५	१५	५	१						
५६	३५	२०	१०	४	१				
३६	२५	२१	१५	१०	६	३			
१०	५८	७	६	५	४				
१	१	१	१	१	१	१			

अथमात्रानष्टं यथाचतुः कलाप्रस्तारे द्वितीयः कीदृशेदतिप्रसेवतस्त्रः कलाः पृथक्स्थाप्यास्तासु प्र  
यमायामेकांकोदयोद्वितीयायां द्व्यंकः एकाकं द्व्यंकं त्र्यंकं च कलाप्रस्तारे तृतीयायां द्व्यंकं च कलाप्रस्तारे तृतीयायां द्व्यंकं च कलाप्रस्तारे  
पंचांकश्चतुर्थ्यां यथा ॥ १२३५॥ पञ्चांकं तिस्रकलोपरिस्थं केलोपयेत् तत्रावशिष्टे पूर्वपूर्वांकं यथा संभवे लो  
पयेत् यस्यांकस्य लोपः ॥ १॥ सतदधस्तनमात्रापर्यामात्रया सह गुरुमायाति प्रकृतद्वितीयभेदप्रश्नो  
तिमपंचने केष्टं द्व्यंकं विलोप्यावशिष्टे अंकं सर्वं अंकं विलोपयेत् एवं तृतीयचतुर्थ्यंकलोपर्यंकयोर्तु  
तत्वात्तदधस्तनमात्रयोर्गुरुत्वं भवतीति तत्तद्वितीयोभेदो यथा ॥ ५॥ अत्रमदीयसंग्रहः संस्थाप्येष्ट  
यमात्रास्तत्रांकोऽस्मालिखेत् एकद्व्यंकतृतीयां कानाद्यमात्रात्रयंकमात् ततः पूर्वद्वयोन्मिश्रानंते  
दृष्ट्वा कलोपना पूर्वपूर्वतरस्यापिलोपः संभवतो भवेत् यस्यास्य भवेत्तत्रापि सतदधो गुरुता  
भवेत् पर्यामात्रयेत्यंतमात्रानष्टं वदेत्सु धारितिनष्टम् ॥ १॥ अथमात्रोद्विष्टं चतुः कलाप्र  
स्तारे आदिगुरुः कस्मिन्स्थाने स्तीति प्रश्नेत्यासः ॥ १२५॥ अत्रगुरुक्षिरः स्यात्कांको  
तिमकलोपरिस्थे पंचांकेऽपनेयः तथा सति तत्राव  
मादिगुरुस्थानं प्रकटं भवति एवं सर्वत्र ज्ञेया अत्रमदीयसंग्रहः ॥ ३॥ द्विष्टेनष्टवन्तस्यान्मात्राणां स्यापनं  
लिखितोपरिविन्मसेत् कलयोरद्ययोरेकद्व्यंकावत्यंकलासु तु पूर्वपूर्वद्वयोन्मिश्रानंकोनयगुरुपरि अंकं प्रथममात्राया अपरस्यास्त्व  
धोगुरोः ॥ असेकरार्थमंकोनामेकीकृत्यगुरुर्द्वयान् अंकोनपनयेदत्येष्टं तूद्विष्टमुच्यते इत्युद्विष्टम् ॥

५